

श्रीनारायणाय

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाविहार

II-303

१३०३ भाद्रपद कथा यथा

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाविहार

II-३०३

२५॥ गन्धर्वसूक्तम् ॥

ॐ नमः श्रीवक्रसुखाय ॥ ॥ यत्नः पूजा कलुषं गंखलखनका
य ॥ ॐ नमः सर्वविघ्नान्नाशक ॥ ॥ यत्नः पूजा कलुषं गंखलखनका
हगवतपूषा ककुना जायतथा गताया हगसम्यक् वदयाय ॥ तद्यथा
॥ ॐ यत्नः २ महापूषा पूषा पूषा हवपूषा समुद्रपूषा वकीलुषा ह
॥ ॥ यत्नः गंखलखनका यत्नः ॥ ॐ नमः ॥ वक्रकादक हं

सा ह ॥ ॥ दवया कलानया क ॥ यत्नः हिजा कमा हव सर्वतथा
गतलानिया ॥ यत्नः कलानया यत्नः ॥ यत्नः हं कलपयिषामि शुद्धदिव्यन
वानिह ॥ यत्नः कलानया यत्नः ॥ ॐ नमः ॥ सर्वतथा गतयत्नः कलानया यत्नः
॥ ॥ यत्नः कलानया यत्नः ॥ ॐ नमः ॥ कलानया यत्नः ॥ ॐ नमः ॥ कलानया यत्नः
कलुषं गंखलखनका यत्नः ॥ ॐ नमः ॥ कलानया यत्नः ॥ ॐ नमः ॥ कलानया यत्नः

ताः षट्पदः नरुगुरुवा मूनमधुलं गुरुवडुकनकवधुं सर्वत्रागेवि
मूकः सूनमनऊनिहिषुवडुवदीफिकाकिः धनकनकससुधा
आयगगाऊवं (ह) सुगगाववगहसिंकायकम्पानिरुत्वा मधुल
सम्प्रधिवानया संतथागविकावका मधुलखसुलखसर्वतः
थगकम्प्रधिवाना मधुलखसुलखसर्वतः मधुलसुखानउयकाश

वलिमयगा अं वडा कविमल्लखारुगा अं वडुसुखसर्वविप्रानसा
नयहुं थन (ह) वडुसुखगुन्या हुअननलमधुलवायगा अं हुम
हाम (ध) मन्नवनमः साम (ध) सगा कोः साम (ध) मन्नवनमः दथऊआ
गाम (ध) सऊक साम (ध) मन्नवनमः दथखआ गयैपूवदीयाथनमः पू
वसाम (ध) नऊवदीयाथनमः दक्षिणसालजपन (ग) डावनिथन

मः॥ **यश्चिमसः॥** वंडरुनकूनवनमः॥ **उरुनसः॥** याउपदीपाशन
मः॥ **पृथिकासः॥** नाउपदीपाशनमः॥ **नेमलकासः॥** लाउपदी
पाशनमः॥ **वायुकासः॥** वाउपदीपाशनमः॥ **ह्रींनकासः॥**
नायगऊनलाशनमः॥ **एवसः॥** नमृवनलाशनमः॥ **दक्षिससः॥**
नालपूनवनलाशनमः॥ **यश्चिमसः॥** वकीनलाशनमः॥ **उरुन**

सः॥ याखननलाशनमः॥ **पृथिकासः॥** नासलिनलाशनमः॥
नेमलकासः॥ लावकनलाशनमः॥ **वायुकासः॥** वासवनिध
नहनमः॥ **ह्रींनकासः॥** वंद्याशनमः॥ **वाक्खडासः॥** स
ह्याशनमः॥ **वाक्कडासः॥** अंजः हूंथावऊगुनहनमः॥
दथूऊननः॥ ॥ **धनः॥** मधुलसयूजायाय॥ अंवऊगलधः

समवे. सुमेनमस्तुतिनियं गुनरास्तुताय॥ अतमावद्याय गु
लवनमाधमाय तावतनमः संघायामस्तुतिदिष्टायिसुतन
मः सर्ववदनमस्तुति. धर्मवजिनराष्टिकां. संघवेदीलसंय
न. वल्लभयनमस्तुति. वल्लभयमहावतं. सर्वयतिदिष्टा मयः
घं॥ अतमावजगत्सुतं. वदवाधोददमनः॥ अवाधोद

वतंयामि. वदधर्मगताहसं. वाधोविहकनामस. लघवाः
थयसीदय॥ उत्तादयामसववाधिविहं. निमरुयामसवस
वसत्वान्. सुसंविनिशवदवाधिवयं. वदहवयंजगताहि
ताय॥ ददनां सर्वयापानां. यत्नानां वानमादनां. कनायवासं
वयामि. अयाष्टंगमयासधं॥ मयावालनमूदन. यतिवि

वाथन आचमनसंख

तय ॥ अँ ॐ ॥ आदित्यकपात्रयः ॥ अत्र सनैयगिरिदृष्टा हा ॥ वलिसखा
नवाय ॥ अँ ॐ ॥ अथखा हा ॥ एवस ॥ यमाथखा हा ॥ दक्षिणावनूला
थखा हा ॥ यश्चिम ॥ कवनाथखा हा ॥ उरुना ॥ अग्रथखा हा ॥ अग्नि
का हा ॥ नैमथखा हा ॥ नैमथका हा ॥ वायूथखा हा ॥ वायूका हा ॥
हीनाथखा हा ॥ हीनका हा ॥ उद्वक्का हा ॥ आका हा ॥

॥ नमः स्वकीर्त्या ॥ **नमः स्वकीर्त्या** ॥ **सुखी** ॥ **सुखी** ॥ **धर्म** ॥ **धर्म** ॥
गुरुभूषा ॥ **धर्म** ॥ **धर्म** ॥ ॥ **सुखी** ॥ **सुखी** ॥ **सुखी** ॥
वज्रवत्सलमनः ॥ वज्रधर्मगुण ॥ वज्रकर्मकृता ॥ वज्रकर्मकृता ॥
ऊर्ध्व ॥ ॥ ॥ दया ॥ महावीरा ॥ साक्यानामहद्विकार ॥ कीर्त्यः ॥
दक्षिणाध ॥ विष्णुहर्षानमस्तु ॥ ॥ **नमः स्वकीर्त्या** ॥ **सुखी** ॥

अविमर्शदिवसकलधर्मागसिपाविभूषणं ॥ भेषयंवा नूयं हि ॥
नमिदमनंतंमहर्षासंनमः ॥ यथासुदृष्टंरूपंकरनिवतययं
वज्रिहंरीसनादं ॥ विहानंरुतनयंनिहगुरुवरुयंयथ ॥ सुहृदं
समा ॥ ॥ **यथासुदृष्टंरूपंकरनिवतययं** ॥ **सुहृदं** ॥
दिवकी ॥ सुहृदवसधे ॥ त्रिसंनमः ॥ सुवलिनिष्ठः ॥ सुप्रियः ॥

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार

II-303

धर्मरत्न वज्राचार्य पुरत श्री महाविहार

II-303

गच्छतिगुप्तमशुलतिथिना

मानेसत्यकाशपथ मृगांयनीवायधनाधिषोववा. शीक्षानहता
धिपकिंवदवउच्चंववचाकवितामरुथ. दवांसमस्तुविः
यचनाग. धमाशुक्रगा. होःससस्ताः। यतियतिकाकनिवद
यकुः. लकास्तका. (येवदिक्षं सतृता. सययदानासहहयं स
षा. पृष्यंवल्लिधयविलयनं च। गृह्णतुहृजुयिवतुचदं

ॐदंवकर्मसरुलंशगातु। **हकनंहायका**। अंतमानलरुयाय
। नमश्चुवजयालयमहावजुकाधायदंशकशेनवायमृति
महानपनधयाहगृह्णतुहृजुयिवतुचदं
२गिष्ठ२वध२रुत२दरु२विष्णुटय२महागलपतिजीविनाः
धकाजायदं२रुहृत्वाहा। **पश्चिमवात्रपूजा**। यधमाहृदुयुह

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यन्मना गमना यन्त्रा ॐ आः हूं ॥ मधुल विसर्जनं ॥ ० ॥
मधुलया खानद वया कतिना डीथ मन क्य ॥ ॐ तिगु न मधुल
॥ ॐ नमः श्री कालाक्षये ॥ उत्ता द हं ग न हि नां व न द ह
धानी न क य ल वि ऊ य ली नै धा रु नू पी ॥ व ऊं गु ल गु ल ग (लेः
स स नं रु ना मी म ल च य मि धा ग रं ऊ न नी जि ना नां ॥ न रु म् न

गान रु नं जी व रु द वी नू प मा नं य ग ता का न रुं स र्वं क नि ष्ठा मि ती
य रु नं ॥ ॐ स रु नि स रु हूं रु द ॥ ग रु २ हूं रु द ॥ म रु द्रा य य २ हूं
रु द ॥ आ न य रु रु ग व न् वि षा मा ऊ रु रु द ॥ **ॐ ति दि ग वं ध न ॥**
ॐ हूं हूं जीः मूं र्वं स्वा रु ॥ **पा रु (क्ष ध न ॥** य नः पा रु मूं न नां
हा व थ रु ॥ जीः का प्र ल प म रु ऊ नं मां का प्र ल मा म की रु रु हूं

विहजावऊ२रुसाहुकात्रक्षकात्यरुसाविहजावऊ२रुसाक
संपूरयागसमरानागनदविहगाय(गुहायनःरुःछाःकीः
जुंखःसाहा॥ॐसर्वरुकासिनीःसर्वरुका(गुधनिगुक्कव
कीलीका(धधनीःसर्वदववायिषि(गुधय२हुंजुसुगंजुसु
ननूयंयविश्व॥**कन्यास**॥रुकावासकनगुहीनारुगवती

सकलसाययरु॥**पात्राहिषकनसानयाय**॥ॐॐॐसर्ववऊः
किनीयवऊवऊनीयवऊवेनावनीयहुहुहुहुहुहुहुहुहुसाहा
॥**जुंगनास**॥ॐवैलगांजीसाहुकीहुहुहुहु२साहा॥यनरुगः
वनीसकलथाकसलं॥ॐहुसाहावऊ॥ॐहाःसाहाघृष्ट॥ॐजु
ःहु॥**जीसाधिसान**॥सुससकलघृष्टाधिसान॥ॐजुकात्रसरु

सर्वधर्मानासायनत्यन्नताओंआःहंरुद्रस्ताहनाओंआःहंवल्गाधि
ष्टानाओंआनमनकहं॥यागमनकहं॥आत्मानमनकहं॥ओं
स्वरावधुष्टाःसर्वधर्मासांस्वरावधुष्टाहं॥**॥तिमकुम्भानय**
॥परास्वनामनपविष्कनविकनत्तवसादात्मनिर्मलाकंगग
लदहानिमाननचक्रिदन्नकमलमभ्यपिनागवाहदयाप

त्रिवासदक्षिणवर्गालिकालियकिउड्डिल्लनपनिवर्गोः
दितकन्नमधुलमभ्यवकात्रनकाप्रतिनामनरगवगीवज
वानाहीसंभ्रसिन्नवधुष्टांगगादिकाधस्वरावामूलवक्रुः
दक्षिणकालाभ्यरिषाभ्यमखिवासयाभ्यधर्गवधुष्टांगवा
मकन्नगरिगन्नकपूष्ठकयावधनादक्षिणपुष्टकादनीववज

कहिधमा धादहावषरुमांगिनी वासननित्रसिनी लट् भ्राति
मालावसि नमस्कृतनीलकृत्तनविभानूरायुतिमखतिन
ः सर्ववधिताननासननविभानुनिलानालंकृतवधंभा
वीनविहस्रनोडहास्यरयानकाकनूषाहृतभक्तिनालयन
सान्विगां चकीकुलकठिनूचकमखलासूयादिरिष

मूडामृदिनासफाककिवक्षारुवसिपुलाखनात्मनाश्रय
यंकनिलसिनाः श्रीरुगवकिंरावयन्ना **तना**तिम्राधवक
सिन्नवकात्रविममालारिन्नकनिष्ठुवनम्रलिनीहानद
वीमाकृष्णसमयदवकात्यकृतावयन्ना ३ वजांकु(हात्य
दि०॥ **हालामूडादहाय** ३॥ ३॥ वरुवानाहियवक्तागायपादाः

धावमनंपतिहस्ताहा॥ **पृष्ठा** ॥ अं सर्ववद्वज्रकिनीयवज्रपृष्ठा
पृष्ठाः ॥ १ ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ २ ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ ३ ॥
अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ ४ ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ ५ ॥
अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ ६ ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ ७ ॥
अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ ८ ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ ९ ॥
अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ १० ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ ११ ॥

अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ १२ ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ १३ ॥
अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ १४ ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ १५ ॥
अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ १६ ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ १७ ॥
अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ १८ ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ १९ ॥
अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ २० ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ २१ ॥
अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ २२ ॥ अं वज्रवधुनीयवज्रपृष्ठाः ॥ २३ ॥

मघपतनां तना कनविशुद्धयपतनाधिक त्विषासुखरुजनयगय
दाहिकां तानमासिजगदस्य रुनकां नाहिवज्ज - रुनां वनागिताव
जवानिजसनाजसमरुवां (अभनसाननसयाननसयक तानमासि
वनवाननत्विसां **तय्य ह** ॥ ओं मूआ हंरुद ॥ ॐ ॐ हंरुद ॥ ॐ ॐ
हंरुद ॥ मम हंरुद ॥ ॐ ॐ हंरुद ॥ ॐ ॐ हंरुद ॥ ॐ ॐ हंरुद ॥ ॐ ॐ हंरुद ॥

मूँमूँ हंरुद स्वाहा ॥ तनाकालमखमसकस्वस्विकं वासावरुनं
मममकवदुपंक्षात्वा ॥ तदनुदवाकमलायनिनाहिसक्षाकन
धमादयास (अवकांननकं ॥ **हस्रयूजा** ॥ तनावासकनस (अ
नकापंवदनकमलंक्षात्वा ॥ वं वज्जवानाहिय हंरुद ॥ होंयंयाः
सिनीय हंरुद ॥ जीसाहिनीय हंरुद ॥ हूंजी संवात्रिहाय हंरुद

ॐ हूं हूं संजासिनी शंकरुं रुद्रा रुद्र २ वल्लिक हूं रुद्रा ॐ वज्र स
बायसाहा नसा वेना वनाय साहा ॥ कीः साहा यमन ह्य वेनाय
साहा ॥ वाषट् नल्ल सफु वाय साहा ॥ ॐ हूं हूं वज्र सूर्याय सा
हा ॥ रुद्र २ यन सा स्व वजाय साहा ॥ **यैलां घं ह्रुति** ॥ यामिना र
ल साहिनी हगवती संवात्रिणी सर्वदा सकासिन्ना सुथा यना

सविमलाया शश्वती वल्लिका ॥ चला गजुज मन लान मखा
नीलाहिना गोत्रिणी ॥ आसाधमधु सत्र हातगं वन्द्य पदं गा न्द
वं ॥ ॐ ॐ ॐ सर्व वृद्धा कि (हा त्यादि ॥ ॐ तिसक हसदन सक
लदि स्कं र्या मिलि तय कि यय साध काल विना सत्र ॥ वज्र क
वा मना मि वग तमानानि शत्रु उति मां य (शत्रु ॥ गत दवी च

अलीनयंतिश्चनंयदीपंजाहल्यमानसहासखवकदविशु
वनधवदसुतधनात्तापितांपल्लवः॥**नित्यशुभलित्वक**
भक्तानिमानवकवकात्रयिषीधल्लिगानादादवीनूया
सुनात्रहुशुक्कात्रकलत्रल्लिगानादादवीनूया
रुशसहासखमायशतयाकालसखसहासखमयल्लि

कयधसहासखवकवल्लिल्लिगसंदिदधितककवत
धवधसुतधनात्तापितांपल्लवः॥**नित्यशुभलित्वक**
भक्तानिमानवकवकात्रयिषीधल्लिगानादादवीनूया
सुनात्रहुशुक्कात्रकलत्रल्लिगानादादवीनूया
रुशसहासखमायशतयाकालसखसहासखमयल्लि

अंखकवकानुलज्जुहादिज्जुसकविसानसल्लिज्जुसुहंखज्जुवि
 कासिः॥याः॥लिसानुयदमहाजनसर्ववृद्धमहंतवत्ताअंख
 :॥१॥१॥ज्जुखल्लाहा॥**॥मिऊपथाग॥** ॥**अथवल्लिहाः**
वना॥अं॥१॥ज्जुवसनंपुत्तिवृत्तास्मात्तथायंकात्रलवायमलुलं
 इपत्रिंकात्रलमिमलुलं॥मिमुलुलुनवडिकायांनित्रलियम

लज्जुनंतगुरुकादियनिपुत्रिकंज्जुअंज्जुखल्लाहा॥मांपांतांवांकात्र
 कात्रंयंवांमृतायंवपदीयंवपंप॥**ज्जुः॥१॥१॥वृद्धः॥वृद्धः॥वृद्धः॥**
 नीसमयल्लुद॥**वलिदिय॥**अं॥कन२॥कन२॥कादिभा
दकनं॥अं॥खख॥खादि२॥कादि॥॥**प॥अथवानपूजायाय॥**
 • ॥**॥मिद्वज्जुवागहीदिगुलिः॥समाधिः॥समाफ॥** ॥